संत फ्राँसिस जेवियर के पवित्र अवशेष

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **सेंट फ्राँसिस जेवियर** के पवित्र अवशेषों की दशकीय प्रदर्शनी **शुरू हुई जो 5 जनवरी 2025** तक चलेगी।

- संत फ्राँसिस जेवियर के अवशेष (जो **वर्ष 1624** से **ओल्ड गोवा** में **बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस** में रखे हुए हैं) को कई बार निकाले जाने के बावजूद उनमें **बहुत कम क्षय** हुआ है।
- **उन्हें गोएंचो सायब (गोवा के भगवान)** के रूप में संदर्भित किया गया, जो **वर्ष 1542** में गोवा पहुँचे थे।
- वह एक **स्पेनिश जेसुइट मिशनरी थे,** जिनका मिशन पुर्तगालियों बीच **ईसाई धर्म को पुनर्स्थापित** करना था। वह जेसुइट संप्रदाय के संस्थापकों में से एक थे।
- उनकी मृत्यु **वर्ष 1552 में चीन के तट से दूर शांगचुआन द्वीप** पर हुई। उन्हें पहले **द्वीप पर ही दफनाया गया था।**
  - बाद में उनके पार्थिव शरीर को **मलक्का ले जाया गया** और अंततः वर्ष **1554** में **गोवा लाया गया** तथा **ओल्ड गोवा के सेंट पॉल कॉलेज** (जो गोवा में जेसुइट्स द्वारा निर्मित पहली इमारत थी) में रखा गया।
- 3 दिसंबर को बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में आयोजित **सेंट फ्राँसिस जेवियर का पर्व, गोवा का सबसे बड़ा ईसाई पर्व है, जो सेंट फ्राँसिस जेवियर की** पुण्यतिथि का प्रतीक है।

और पढ़ें: भारत-पुर्तगाल संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sacred-relics-of-saint-francis-xavier